खरीफ MSP 2026-27: एक सारणी, तीन पैमाने

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय/CCEA | खरीफ MSP, विपणन मौसम 2026-27 (13 मई 2026) | UPSC / PCS मुख्य परीक्षा: GS-3 (कृषि) | प्रारंभिक: CCEA, MSP, Marketing Season, “Margin over cost”, Shree Anna

पृष्ठभूमि और संदर्भ

MSP की घोषणा की सारणी में एक ही फ़सल के लिए कई संख्याएँ होती हैं: नया मूल्य, पिछले साल से बढ़ोतरी, एक पुराने साल से बढ़ोतरी और लागत पर मार्जिन। हर संख्या अलग सवाल का जवाब देती है। यह लेख 13 मई 2026 की PIB विज्ञप्ति की सारणी को इसी तरह पढ़ता है, और जहाँ गद्य और सारणी अलग बोलते हैं, वहाँ उसे वैसा ही दिखाता है।

खबर क्या?

PIB के अनुसार प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली CCEA ने विपणन मौसम 2026-27 के लिए 14 खरीफ फ़सलों के MSP में बढ़ोतरी को मंज़ूरी दी। PIB के अनुसार धान (Common) का MSP 2441 रुपये प्रति क्विंटल है, जो 2025-26 के 2369 रुपये से 72 रुपये अधिक है। PIB की सारणी के अनुसार अन्य प्रमुख फ़सलों का MSP 2026-27 (रुपये प्रति क्विंटल): ज्वार (हाइब्रिड) 4023, बाजरा 2900, रागी 5205, मक्का 2410, तुअर/अरहर 8450, मूँग 8780, उड़द 8200, मूँगफली 7517, सूरजमुखी बीज 8343, सोयाबीन (पीला) 5708, तिल 10346, रामतिल 10052, कपास (मध्यम रेशा) 8267। पूरी सारणी नीचे दी गई है।

इस विषय को पढ़ने की पाँच सावधानियाँ

(1) सारणी के स्तंभों का मिलान HTML-तालिका से किया गया है; सादा-पाठ में स्तंभ बिखर जाते हैं। (2) मार्जिन पर PIB के गद्य (“rest” 50%) और सारणी (Urad 51) में अंतर है; हमने इसे मिलाया नहीं। (3) लागत की छपी परिभाषा में पेड-आउट लागत और परिवार के श्रम का आरोपित मूल्य दोनों हैं; उसमें कोई लागत-अवधारणा का नाम नहीं छपा, इसलिए हमने भी नहीं जोड़ा। (4) खरीद के चार कथन 12 वर्ष बनाम 10 वर्ष की अवधियों के हैं और सरकार के अपने हैं; हमने वार्षिक तुलना नहीं की। (5) MSP की घोषणा से वास्तविक खरीद या किसान की आय सिद्ध नहीं होती; पृष्ठ में 2026-27 की खरीद या आय का आँकड़ा नहीं है।

मुख्य तथ्य और आँकड़े

संदर्भ और स्थिति	**PIB, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, “Posted On: 13 MAY 2026 3:25PM by PIB Delhi”। शीर्षक: “Cabinet approves Minimum Support Prices (MSP) for Kharif Crops for Marketing Season 2026-27”। पाठ: “The Cabinet Committee on Economic Affairs (CCEA) chaired by the Prime Minister Shri Narendra Modi has approved the increase in the Minimum Support Prices (MSP) for 14 Kharif Crops for Marketing Season 2026-27.” यहाँ “Marketing Season” छपा है, फ़सल-वर्ष नहीं।**

सारणी का ढाँचा	**सारणी में क्रम-संख्या 1 से 14 तक की फ़सलें हैं और तीन फ़सलों की एक अतिरिक्त पंक्ति (Paddy Grade A, Jowar Maldandi, Cotton Long Staple), यानी हमारी गणना में 17 मूल्य-पंक्तियाँ। इकाई “Rs. per quintal”। स्तंभ: MSP 2026-27, “Cost* KMS 2026-27”, “Margin over cost (%)”, MSP 2025-26, MSP 2013-14, और दो बढ़ोतरी-स्तंभ (“over 2025-26”, “over 2013-14”)। स्तंभों का मिलान हमने PIB पृष्ठ की HTML-तालिका की कोशिकाओं से किया है, न कि सादे पाठ से।**

सबसे बड़ी बढ़ोतरी (छपी)	“The highest absolute increase in MSP over the previous year has been recommended for Sunflower Seed (₹ 622 per quintal) followed by Cotton (Rs. 557 per quintal), Nigerseed (Rs.515 per quintal) and Sesamum (Rs.500 per quintal).” सारणी की “over 2025-26” पंक्तियाँ इसी से मेल खाती हैं: सबसे ऊपर 622, 557, 515, 500 (हमारी जाँच)। सबसे छोटी दो छपी बढ़ोतरी: Moong 12 और Maize 10।

मार्जिन: गद्य और सारणी	गद्य: “The expected margin to farmers over their cost of production are estimated to be highest in case of Moong (61%) followed by Bajra (56%), Maize (56%) and Tur/Arhar (54%). For rest of the crops, margin to farmers over their cost of production is estimated to be at 50%.” सारणी की Urad की पंक्ति में मार्जिन 51 छपा है। इसलिए गद्य (“rest” = 50) और सारणी (Urad = 51) में अंतर है; हमने इसे मिलाया नहीं। हमारी गणना (छपे MSP और छपी लागत से, (MSP − लागत) ÷ लागत): Urad 51.35%; बाक़ी 13 लागत-वाली पंक्तियों में पूर्णांक मान छपे मार्जिन से मेल खाते हैं। यह जाँच सारणी के आँकड़ों की है, गद्य के कथन की व्याख्या नहीं।

लागत की छपी परिभाषा	पाद-टिप्पणी: “Refers to cost which includes all paid out costs such as those incurred on account of hired human labour, bullock labour/machine labour, rent paid for leased in land, expenses incurred on use of material inputs like seeds, fertilizers, manures, irrigation charges, depreciation on implements and farm buildings, interest on working capital, diesel/electricity for operation of pump sets etc., miscellaneous expenses and imputed value of family labour.” इसमें किसी लागत-अवधारणा का नाम (जैसे A2+FL या C2) नहीं छपा; हमने भी कोई नाम नहीं जोड़ा।

जहाँ लागत नहीं	पाद-टिप्पणी: “Cost data are not separately compiled for Paddy (Grade A), Jowar (Maldandi) and Cotton (Long staple)”। इन तीन पंक्तियों में लागत और मार्जिन के खाने में “-” छपा है।

नीति-आधार (छपा)	“The increase in MSP for Kharif Crops for Marketing Season 2026-27 is in line with the Union Budget 2018-19 announcement of fixing the MSP at a level of at least 1.5 times of the All-India weighted average cost of production”। PIB पृष्ठ में अखिल-भारतीय भारित औसत लागत का आँकड़ा या उससे MSP के अनुपात की गणना नहीं मिली; हमने उसका मिलान नहीं किया।

गैर-अनाज फ़सलों पर कथन (छपा)	“In the recent years, Government has been promoting the cultivation of crops, other than cereals such as pulses and oilseeds, and Nutri-cereals/ Shree Anna, by offering a higher MSP for these crops.” यह सरकार का नीति-कथन है; पृष्ठ में 2026-27 के रकबे या बुआई का कोई आँकड़ा नहीं मिला।

खरीद और भुगतान के चार कथन (छपे)	(1) “During the period 2014-15 to 2025-26, procurement of paddy was 8418 LMT while during the period 2004-05 to 2013-14, procurement of paddy was 4590 LMT.” (2) “... procurement of 14 Kharif crops was 8746 LMT while ... procurement was 4679 LMT.” (3) “... MSP amount paid to Paddy growing famers was Rs. 16.08 Lakh Crores while ... amount paid to farmers was Rs. 4.44

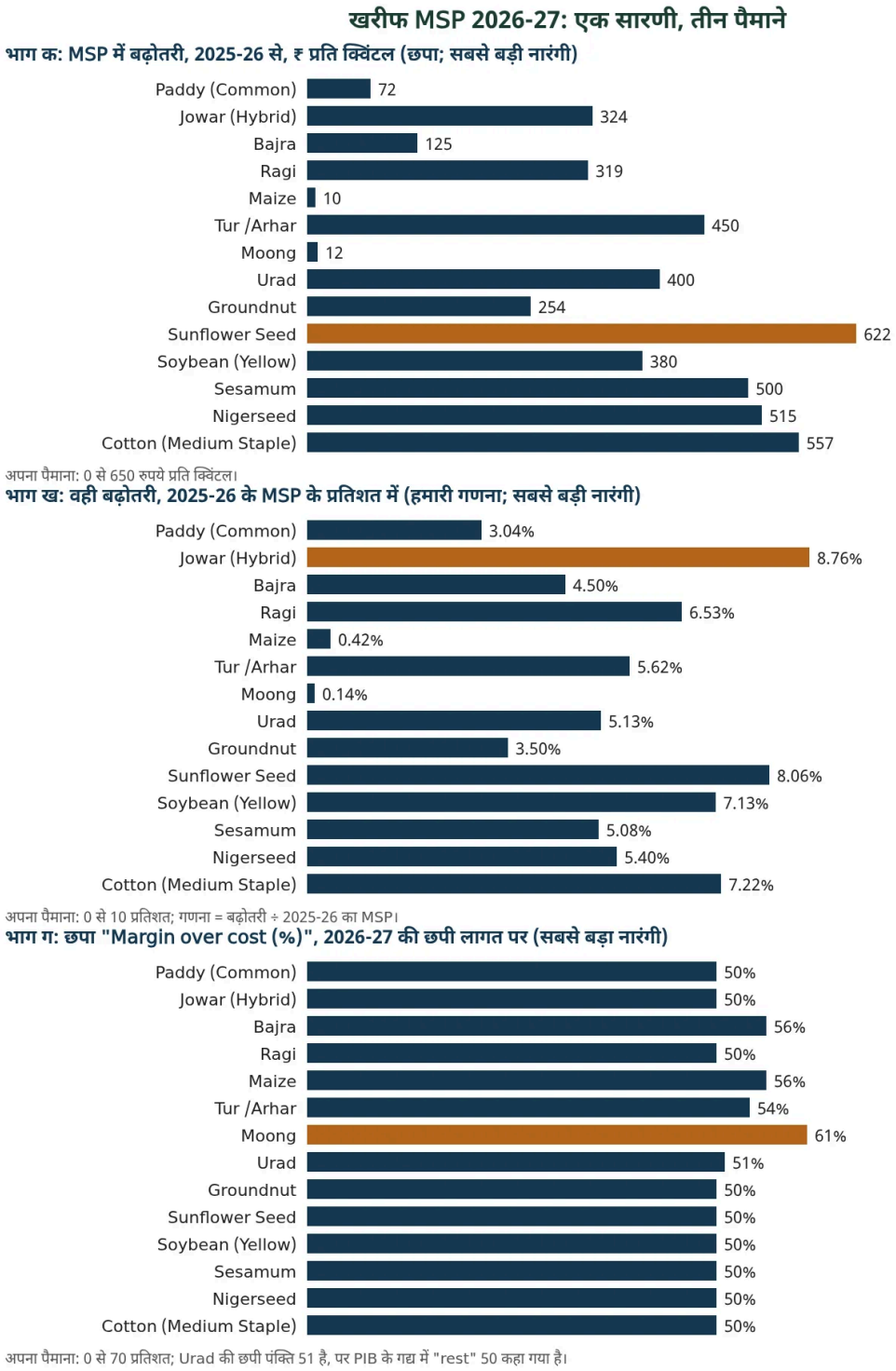
	Lakh Crore.” (4) “... the MSP amount paid to 14 Kharif crops growing famers was Rs. 18.99 Lakh Crores while ... MSP amount paid to farmers was Rs. 4.75 Lakh Crore.” (वर्तनी “famers” जैसी छपी।) हमारी गणना: पहली अवधि 2014-15 से 2025-26, यानी 12 वर्ष; दूसरी 2004-05 से 2013-14, यानी 10 वर्ष। अवधियाँ बराबर नहीं हैं, इसलिए हमने इन आँकड़ों से वार्षिक औसत या अनुपात नहीं निकाला।

सीमा	आधार एक PIB विज्ञप्ति है। MSP की सिफ़ारिश-रिपोर्ट, लागत के आँकड़ों का स्रोत, 2026-27 की खरीद या किसानों की वास्तविक आय का कोई आँकड़ा नहीं पढ़ा गया। “नहीं मिला” का अर्थ “नहीं है” नहीं है।

सारणी: PIB के आँकड़े और हमारी एक गणना

फसल (जैसी छपी)	MSP 2026-27	MSP 2025-26	वृद्धि, ₹ (छपी)	वृद्धि %, 2025-26 से (हमारी गणना)	लागत 2026-27 (छपी)	मार्जिन % (छपा)
Paddy (Common)	2441	2369	72	3.04%	1627	50
Paddy (Grade A)^	2461	2389	72	3.01%	–	–
Jowar (Hybrid)	4023	3699	324	8.76%	2682	50
Jowar (Maldandi)^	4073	3749	324	8.64%	–	–
Bajra	2900	2775	125	4.50%	1858	56
Ragi	5205	4886	319	6.53%	3470	50
Maize	2410	2400	10	0.42%	1544	56
Tur /Arhar	8450	8000	450	5.62%	5496	54
Moong	8780	8768	12	0.14%	5438	61
Urad	8200	7800	400	5.13%	5418	51
Groundnut	7517	7263	254	3.50%	5011	50
Sunflower Seed	8343	7721	622	8.06%	5562	50
Soybean (Yellow)	5708	5328	380	7.13%	3805	50
Sesamum	10346	9846	500	5.08%	6897	50
Nigerseed	10052	9537	515	5.40%	6701	50
Cotton (Medium Staple)	8267	7710	557	7.22%	5511	50
Cotton (Long Staple)^	8667	8110	557	6.87%	–	–

MSP, वृद्धि और लागत: रुपये प्रति क्विंटल, PIB की सारणी से। “वृद्धि %” हमारी गणना: बढ़ोतरी ÷ 2025-26 का MSP। ^ वाली पंक्तियों में लागत PIB ने अलग से संकलित नहीं की (“-“)।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

विश्लेषण: बढ़ोतरी, मार्जिन और आधार

पहली बात, "सबसे बड़ी" किस पैमाने पर। रुपयों में सबसे बड़ी छपी बढ़ोतरी Sunflower Seed की है (622)। पर 2025-26 के MSP के प्रतिशत में (हमारी गणना) Jowar (Hybrid) आगे है: 324 ÷ 3699 = 8.76%, जबकि Sunflower Seed 8.06% है। दोनों कथन सही हैं और अलग सवाल के जवाब हैं।

दूसरी बात, मार्जिन बढ़ोतरी नहीं है। Moong का छपा मार्जिन सबसे ऊँचा (61%) है, पर उसकी 2025-26 से छपी बढ़ोतरी सिर्फ़ 12 रुपये है (8768 से 8780, हमारी गणना: 0.14%)। मार्जिन 2026-27 की छपी लागत पर है; पृष्ठ में 2025-26 की लागत नहीं है, इसलिए हम यह नहीं कह सकते कि मार्जिन पिछले साल से बढ़ा या घटा।

तीसरी बात, गद्य और सारणी का अंतर। गद्य कहता है कि बाक़ी फ़सलों का मार्जिन 50% आँका गया है, जबकि सारणी में Urad के आगे 51 छपा है। छपे MSP और लागत से Urad का मान 51.35% निकलता है (हमारी गणना), जो सारणी की पंक्ति से मेल खाता है। गद्य का कथन उस पंक्ति से अलग रह जाता है और हमने उसे मिलाया नहीं।

चौथी बात, घोषणा बनाम परिणाम। MSP एक मंज़ूर किया गया मूल्य है। PIB के चार खरीद-कथन पिछली अवधियों के हैं (12 वर्ष बनाम 10 वर्ष, हमारी गणना) और सरकार के अपने कथन हैं। इनसे 2026-27 की खरीद या किसान की वास्तविक आय का कोई निष्कर्ष नहीं निकलता, और पृष्ठ में ऐसा कोई आँकड़ा नहीं मिला।

आगे की राह: अनुत्तरित प्रश्न

- गद्य के "rest 50%" और सारणी के Urad 51 का मेल PIB के किस हिस्से से बैठता है? पृष्ठ नहीं बताता।
- 2026-27 में इन 14 फ़सलों की वास्तविक खरीद कितनी रही? यह विज्ञप्ति का विषय नहीं है।

परीक्षा-उपयोगी बिंदु

प्रारंभिक: CCEA की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं (PIB के अनुसार); 14 खरीफ फ़सलें; विपणन मौसम 2026-27; धान (Common) 2441 रुपये प्रति क्विंटल; रुपयों में सबसे बड़ी बढ़ोतरी Sunflower Seed (622); छपे मार्जिन में Moong सबसे ऊपर (61%); Union Budget 2018-19 की घोषणा का "1.5 times" वाक्य; पेड-आउट लागत और परिवार के श्रम का आरोपित मूल्य (छपी परिभाषा)। **मुख्य परीक्षा:** MSP-सारणी के अलग-अलग पैमाने; लागत पर मार्जिन बनाम बढ़ोतरी; असमान अवधियों की तुलना; घोषणा बनाम वास्तविक खरीद और आय; गैर-अनाज फ़सलों को बढ़ावा देने का नीति-कथन।

UPSC CSE Mains अभ्यास प्रश्न

किसी MSP-घोषणा की सारणी पढ़ते समय बढ़ोतरी, लागत पर मार्जिन और आधार-वर्ष की तुलना में किन बातों में सावधानी ज़रूरी है? खरीफ 2026-27 के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (10 अंक, शब्द-सीमा 150)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: CCEA, 14 फ़सलें, 17 मूल्य-पंक्तियाँ

मुख्य भाग में: रुपयों में और प्रतिशत में बढ़ोतरी का अंतर (Sunflower Seed बनाम Jowar Hybrid, हमारी गणना); मार्जिन बनाम बढ़ोतरी (Moong); छपी लागत की परिभाषा और जहाँ लागत नहीं संकलित; गद्य और सारणी का अंतर (Urad); असमान अवधियों वाले खरीद-कथन; घोषणा से वास्तविक खरीद और आय सिद्ध नहीं

निष्कर्ष में: सारणी प्रवेश-द्वार है, प्रमाण नहीं

स्रोत

- PIB: Cabinet approves Minimum Support Prices (MSP) for Kharif Crops for Marketing Season 2026-27 (13 मई 2026)

स्रोत-सीमा: आधार एक PIB विज्ञप्ति है; सारणी के स्तंभ उसकी HTML-तालिका से लिए गए। MSP की सिफ़ारिश-रिपोर्ट, लागत का मूल स्रोत, Union Budget 2018-19 का पाठ, 2026-27 की खरीद और किसानों की वास्तविक आय नहीं पढ़ी गई। गद्य और सारणी के अंतर (Urad) का कारण नहीं जाँचा गया। इनके अभाव से कोई निष्कर्ष नहीं निकाला गया।

याद रखें: PIB 13 मई 2026; 14 फ़सलें, 17 मूल्य-पंक्तियाँ (हमारी गणना); गद्य (rest 50%) बनाम सारणी (Urad 51)।